>

Title : Need to take measures to make river-water pollution free.

श्री भाउसाहेब राजाराम वाकचौरे (शिरडी): देश की 13 प्रमुख नदियों का अस्तित्व आज खतरे में है, जिसका मुख्य कारण औद्योगिक इकाइयों का कचरा, नदी के किनारें सब्जियों की दुकानें, गंदे नालों का पानी जो सीधे नदियों में गिरता है, जिसके कारण नदियों का पानी एवं भूजल के विषाक्त होने के मामले अलग-अलग शहरों, कस्बों से मिले हैं। नदियों को शुद्ध करने के लिए अभी तक लगभग 26 अरब रूपये खर्च किए गए हैं, लेकिन नदियों की साफ-सफाई नहीं हो सकी है।

देश के 70 प्रतिशत शहरों में आज भी पेयजल की आपूर्ति नदियों से की जाती है, लेकिन विडंबना भी यही है कि 70 प्रतिशत बीमारी भी प्रदूषित जल से हो रही है क्योंकि जमीन के भीतर की ऊपरी सतह का जल भी प्रदूषण की चपेट में है।

हरियाणा सहित अनेक राज्यों में अत्यधिक ऐसी औद्योगिक इकाइयाँ हैं, जो बिना किसी अनुमति के नदियों और जल स्रोतों को प्रदूषित कर रहे हैं। पानी को पीने योग्य बनाने हेतु उसमें क्लोरीन डाला जाता है, जो अब बेकार हो गया है, इससे और घातक बीमारियॉ हो रही हैं।

अतः अनुरोध है कि इसके लिए कड़े कानून बनाये जायें और जल को शुद्ध एवं पीने योग्य बनाया जाये।

MADAM SPEAKER: Now, we will take 'Zero Hour' matters.

Shri Nishikant Dubey. Please be very brief.